अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय, **भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान तथा प्रशिक्षण केंद्र (ISLRTC)** ने 23 सितंबर, 2025 को "सांकेतिक भाषा दिवस" मनाया।

- साथ ही शिक्षा मंत्रालय ने **केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (CIET)** और NCERT के सहयोग से 15 से 19 सितंबर, 2025 तक भारतीय सांकेतिक भाषा पर विशेष पाँच-दिवसीय लाइव कार्यक्रम भी आयोजित किया।

मुख्य बिंदु

- **दिवस के बारे में:**
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बधिर लोगों के **मानवाधिकारों** को साकार करने में सांकेतिक भाषा के महत्त्व को रेखांकित करने के लिये 23 सितंबर को **अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस** के रूप में घोषित किया।
- यह तिथि वर्ष 1951 में विश्व बधिर महासंघ (WFD) की स्थापना का प्रतीक है, जो विश्व स्तर पर बधिर व्यक्तियों के अधिकारों और उनकी मान्यता के लिये कार्य करता है।
- **दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर अभिसमय**, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2006 में अपनाया था, सांकेतिक भाषाओं को बोली जाने वाली भाषाओं के बराबर मान्यता देता है तथा सदस्य देशों को बधिर समुदाय की भाषायी पहचान को बढ़ावा देने के लिये बाध्य करता है।
  - भारत वर्ष 2007 में इस अभिसमय का अनुसमर्थन करने वाले प्रथम देशों में से एक था।
- **थीम 2025**: इस वर्ष की थीम **"सांकेतिक भाषा के अधिकारों के बिना मानवाधिकार नहीं"** है, जो बधिर व्यक्तियों के लिये गरिमा और सम्मान सुनिश्चित करने के साधन के रूप में सांकेतिक भाषा की मान्यता बढ़ाने का आह्वान करती है।
- **8वीं राष्ट्रीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रतियोगिता**: आयोजन के अंतर्गत **आठवीं राष्ट्रीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रतियोगिता के विजेताओं** को सम्मानित किया गया। इसमें देश के विद्यालयों से 13 श्रेणियों में प्रतिभागियों ने भाग लिया और बधिर समुदाय की **रचनात्मकता तथा प्रतिभा** का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-day-of-sign-languages-2025